पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–2 31 जनवरी, 2025

मज्जन फल पेखिअ ततकाला। काक होहिं पिक बकउ मराला।
सुनि आचरज करै जनि कोई। सतसंगति महिमा नहीं गोई।।

इस तीर्थराज में स्नान का फल तत्काल ऐसा देखने में आता है कि कौए कोयल बन जाते हैं और बगुले हंस। यह सुनकर कोई आश्चर्य न करे, क्योंकि सत्संग की महिमा छिपी नहीं है।। **–श्रीरामचरितमानस, बालकाण्ड 2/1**

गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न

26 जनवरी, 2025 को 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह संस्थान के खेल परिसर में देश प्रेम से भरे वातावरण में पूरे जोश व उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. रंगन बनर्जी ने नियत समय पर ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, तत्पश्चात राष्ट्रगान से पूरा परिसर गूंज उठा।

इस पावन अवसर पर एन.सी.सी./एन.एस.एस./एन.एस.ओ. के विद्यार्थियों, सुरक्षा एकक के कर्मचारियों तथा इन्टर भा.प्रौ.सं. स्पोर्टस के स्टाफ सदस्यों द्वारा परेड प्रस्तुत की गई। इसके उपरान्त खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को अवार्ड प्रदान किए गए। नर्सरी स्कूल के नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा सामूहिक गान एवं नृत्य प्रस्तुती की गई। केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों द्वारा देशभक्ति थीम पर लोक नृत्य एवं सामूहिक गान प्रस्तुत किए गए। जहां छोटे बच्चों के लिए दौड़ का आयोजन किया गया वही विद्यार्थियों, संकाय एवं स्टाफ सदस्यों के लिए रस्साकशी तथा क्रिकेट की व्यवस्था की गई।

निदेशक का उद्‌बोधन

(संक्षिप्त अनुदित सार)

निदेशक महोदय ने संस्थान के सभी संकाय, अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थिगण व संस्थान के परिसरवासियों को 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बधाई दी।

निदेशक महोदय ने सभी को गणतंत्र दिवस पर सम्बोधित करते हुए कहा कि 76 वर्ष पहले आज ही के दिन हमने अपने संविधान का अंगीकार किया था। यह दिन भारत के स्वतंत्र गणराज्य बनने का प्रतीक है। आपने भारत के संविधान की उद्देशिका का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समता व बंधुता का अधिकार प्रदान करता है। उन्होने देश की संप्रभुता का अर्थ सरल शब्दों में बताया तथा इस संदर्भ में कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि अर्जित की गई शिक्षा व ज्ञान को देश की संप्रभुता के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। आपने विकसित भारत के लिए संस्थान की भूमिका को अहम बताते हुए जन कल्याण से जुड़े शोध कार्य को अधिक बढ़ावा देने की बात पर बल दिया। आपने कहा कि जब हम सब मिलकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हैं तभी हमारा संस्थान व देश आगे बढ़ता है।

अंत में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर निदेशक महोदय ने सभी को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि हम सभी को संस्थान के समग्र विकास करने तथा संस्थान को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए प्रयासरत रहते हुए देश हित में योगदान करने की दिशा में कार्य करते रहना है।

जय हिन्द!

–डॉ. नीरज चौरसिया

''राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए ''अनुवाद टूल्स : भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा'' पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए **27 जनवरी, 2025 (सोमवार)** को संस्थान में **''अनुवाद टूल्स : भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा'' पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला** का आयोजन कम्प्यूटर लैब (LHC-502) में किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के नोडल अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित ~50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रारम्भ करते हुए श्रीमती इन्द्रमणि ने श्री अतुल व्यास (कुलसचिव), डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष), अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया।

डॉ. नीरज चौरसिया, अध्यक्ष (हिन्दी कक्ष) ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान का हिन्दी कक्ष इस तरह की कार्यशालाएं निरंतर करता रहता है। आज की इस कार्यशाला का उद्देश्य स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में हिन्दी में कार्य करने के लिए कई सारे ई–टूल्स एवं सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। इनके प्रयोग ने आज हिन्दी में कार्य करना और भी आसान कर दिया है। इस कार्यशाला में आज हम भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ (मेमोरी आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर) के साथ–साथ कई अन्य ई–टूल्स के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा उनको कंप्यूटर पर इंस्टाल करके व कार्य करके देखेंगे। आज की कार्यशाला में आप हिंदी में कार्य करने में आ रही अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे तथा कुछ नया भी सीख सकेंगे। आपने अतिथि वक्ता का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि श्री केवल कृष्ण, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC) नई दिल्ली से वरिष्ठ तकनीकी निदेशक के पद पर लंबे समय तक कार्यरत रहे। आपको भाषाई मानकीकरण तथा भाषाई तकनीकी के क्षेत्र में एक लंबा अनुभव है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में आपका विशेष योगदान रहा है।

श्री अतुल व्यास, कुलसचिव ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और आज के समय में अपना कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करना पहले से आसान हो गया है, हमें केवल प्रयास करने की आवश्यकता है। श्री केवल कृष्ण जी एक बहुत ही अच्छे और अनुभवी शिक्षक है। इनके समझाने का तरीका बहुत ही सहज है। आपने कहा कि आज बडी संख्या में प्रतिभागियों को देखकर मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है। मुझे आशा है कि आज की इस कार्यशाला से आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। आपने कहा कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यालयीन कार्य में अवश्य प्रयोग में लायें तभी कार्यशालाओं का उद्देश्य सार्थक होगा।

विभिन्न ई–टूल्स पर व्यापक चर्चा करते हुए श्री केवल कृष्ण जी ने अनुवाद टूल्सः भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ राजभाषा पर जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों ने इसका प्रैक्टिकल करके देखा। आपने यूनिकोड तथा गूगल वॉयस टाइपिंग, फोनेटिक एवं रेमिंग्टन टाइपिंग, तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न ई–टूल्स की जानकारी प्रदान की और प्रतिभागियों की समस्याओं को दूर कर तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। आपने कहा कि हिन्दी सीखने के लिए लीला सॉफ्टवेयर एवं प्रवीण, प्रबोध, प्रज्ञा आदि उपलब्ध है। प्रतिभागियों ने उत्सुक्ता के साथ आपका व्याख्यान सुना तथा प्रैक्टिकल करके देखा।

डॉ. नीरज चौरसिया ने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को सभी प्रतिभागी अपने अन्य साथियों के साथ साझा करेंगे तथा इस ज्ञान को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य में प्रयोग में लाकर संस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्य को करने में भागीदारी करेंगे।

अन्त में, श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) ने अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, श्री अतुल व्यास (कुलसचिव), डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया।

– श्रीमती इन्द्रमणि

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/358058 दिनांक 13.01.2025 के अनुसार **प्रो. अनीश अरोड़ा** ने 01.01.2025 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में विजिटिंग संकाय के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/360330 दिनांक 20.01.2025 के अनुसार **श्री कार्तिक भट** ने 26.12.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से भौतिकी विभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/360349 दिनांक 20.01.2025 के अनुसार **श्री अमित कुमार** ने 26.12.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से रासायनिक इंजीनियरी विभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/361075 दिनांक 22.01.2025 के अनुसार **श्री संकल्प गर्ग** ने 01.01.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से विद्युत इंजीनियरी विभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/361455 दिनांक 22.01.2025 के अनुसार **श्री मनोज कुमार मीणा** ने 08.01.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से सिविल इंजीनियरी विभाग में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/361561 दिनांक 23.01.2025 के अनुसार **श्री रिपुंजय मिश्रा** ने 27.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से संकायाध्यक्ष, संकाय कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

प्रतिनियुक्ति

- स्थापना अनुभाग–2 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-2/2025/358980 दिनांक 16.01.2025 के अनुसार **डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्जी** को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़ में प्रतिनियुक्ति आधार पर 04.02.2025 से 31.12.2027 तक की अवधि के लिए कुलसचिव पद का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। सक्षम प्राधिकारी ने डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्जी द्वारा कुछ औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद 04.02.2025 से 31.12.2027 (सेवानिवृत्ति) तक के लिए उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़ में कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति प्रदान की है।

त्यागपत्र स्वीकृत

- स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2025/357971 दिनांक 13.01.2025 के अनुसार **डॉ. संतोष कुमार, पोस्ट–डॉक्टरल फेलो** (यांत्रिक इंजीनियरी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 13.01.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. संतोष कुमार को 13.01.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

शक्तियों का सम्यक संतुलन

- भारतीय संविधान नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सर्वोच्च वरीयता प्रदान करते हुए व्यक्ति के जीवन के अधिकार तथा व्यक्ति की गरिमा की वरेण्यता को रेखांकित करता है।

- यह विचार, अभिव्यक्ति, आस्था, विश्वास एवं उपासना की स्वतंत्रता को अन्य सभी स्वतंत्रताओं की पूर्वावश्यकता स्वीकार करता है।

- यह आर्थिक अथवा राजनीतिक न्याय की अपेक्षाओं के समक्ष सामाजिक न्याय की प्राप्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

- गणतंत्र की आधुनिक वैश्विक अवधारणा के अनुरूप विधिक तथा सांस्थानिक संक्रियाओं का वर्णन तथा विवरण करने के साथ–साथ यह औपबंधिक व्यवस्थाओं की न्यायिक व्याख्या एवं पुनर्व्याख्या भी संकल्पित करता है।

- शक्ति–पृथक्करण के सिद्धांतों की प्रक्रियागत आधार प्रदान करते हुए यह संस्थाओं की सीमा रेखाओं का निर्धारण भी करता है। अपनी न्यायिक संस्थाओं को संरक्षा तथा व्याख्या का विशिष्ट अधिकार प्रदान करते हुए यह अलोकतांत्रिक आचरणों को नियंत्रित करता है।

- गणतांत्रिक संरचना के शीर्षस्थ पद पर विराजमान राष्ट्रपति के अधिकारों, कर्तव्यों एवं शक्तियों पर संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रतिच्छायाओं के रहते हुए भी स्वतंत्र विवेकाधीन शक्ति प्रविधानों की सृष्टि भी भारतीय संविधान की विशेषता है।

- यह सांविधानिक संशोधन की प्रक्रियाओं में सारल्य और जटिलता के सम्यक संतुलन से समसामयिक आवश्यकताओं और समकालीन अपेक्षाओं के अनुरूप रूप–परिवर्तन के द्वार भी अनावृत्त करता है।

साभार–दैनिक जागरण
26 जनवरी, 2025

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY DELHI

प्रशासनिक अधिकारियों के दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली संक्षिप्त आदेशात्मक टिप्पणियाँ

(Brief important notings being used by Administrative Officers in their daily routine official work)

अंग्रेजी	हिन्दी
Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
All concerned should note carefully.	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Application is rejected.	प्रार्थना–पत्र अस्वीकृत किया जाता है।
Approved.	अनुमोदित।
Approved as a very special case. This should not, however be Quoted as a precedent.	एक विशेष मामला मानते हुए अनुमोदित किया जाता है किन्तु आगे उदाहरण के रूप में इसका उल्लेख न किया जाए।
Wait further report.	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Await reply.	उत्तर की प्रतीक्षा करें।
Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
Draft is concurred in.	प्रारूप पर सहमति दी जा रही है।
Draft may not be issued.	अब प्रारूप जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
Draft reply on the lines suggested above may be Put up.	उपरोक्त सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
Enquire into the case and report early	मामले की जांच करें और शीघ्र रिपोर्ट दें।
Enquiry be completed and its report submitted at an Early date	जांच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।
Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Fix a date for meeting.	बैठक के लिए तारीख नियत करें।
Give top priority to this work.	इस कार्य को परम अग्रता दें।
I agree.	मैं सहमत हूं।

अंग्रेजी	हिन्दी
I agree with 'A' above.	मैं उपर्युक्त 'क' से सहमत हूं।
I disagree.	मैं सहमत नहीं हूं।
I fully agree with office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूं।
Inform accordingly.	तदनुसार सूचित किया जाए।
Issue as amended.	यथासंशोधित जारी किया जाए।
Issue reminder urgently.	तुरन्त अनुस्मारक भेजिए।
Issue today.	आज ही भेज दिया जाए।
Issue warning.	चेतावनी दी जाए।
Kindly see it for approval.	कृपया इसे अनुमोदन के लिए देखें।
May file.	फाईल कर दिया जाए।
No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है।
Order may be issued.	आदेश जारी कर दिया जाए।
Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर लें।
Permitted.	अनुमति दी जाती है।
Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
Please discuss.	आकर चर्चा कर लें।
Please fleg the relevent papers.	कृपया संगत कागजातों पर पर्चियाँ लगा दें।
Please issue necessary notification.	कृपया आवश्यक अधिसूचना जारी करें।
Please make a special note of this Decision.	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट करे।
Please prepare a precis of the case.	कृपया मामले की संक्षेपिका तैयार करें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com